Journal of Advances and Scholarly Researches in Allied Education

Vol. XI, Issue No. XXI, April-2016, ISSN 2230-7540, ISSN 2230-7540

राजस्थान में पर्यटन विकास का भौगोलिक अध्ययन

AN INTERNATIONALLY INDEXED PEER REVIEWED & REFEREED JOURNAL

www.ignited.in

Journal of Advances and Scholarly Researches in Allied Education
Vol. XI, Issue No. XXI, April-2016, ISSN 2230-7540

राजस्थान में पर्यटन विकास का भौगोलिक अध्ययन

Dr. Jagphool Meena*

Lecturer, Department of Geography, Government Post-Graduation College, Rajgarh, Alwar, Rajasthan

शोध पत्र सारांशः- *राजस्थान में पर्यटन विकास का भौगोलिक अध्ययन प्रस्तुत पत्र में किया गया है। इस शोध पत्र में, राजस्थान में पर्यटन के वर्तमान स्वरूप, विशेषताओं और महत्व को समझाया गया है। राजस्थान भारत का एक राज्य है जो पर्यटन के लिए सबसे अच्छा राज्य माना जाता है। राजस्थान राज्य में हर जिले में कई दर्शनीय स्थान देखने को मिलते हैं, विशेषकर एक ऐसा किला है जो लगभग हर जिले में है। इनके अलावा, राजस्थान में कई पौराणिक मंदिर भी हैं। प्राकृतिक सुंदरता और महान इतिहास के साथ राजस्थान में पर्यटन उद्योग फल-फूल रहा है। राजस्थान घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों पर्यटकों के लिए एक उपयुक्त पर्यटन स्थल है। भारत आने वाले हर तीसरे पर्यटक को राजस्थान की यात्रा अवश्य करनी चाहिए। विदेशी मुद्रा अर्जित करने के लिए पर्यटन राज्य का दूसरा सबसे बड़ा उद्योग है। विदेशी पर्यटकों के मामले में राजस्थान भारत में 5 वें स्थान पर है। राजस्थान में, जयपुर पहले स्थान पर है और विदेशी पर्यटकों के मामले में उदयपुर पहले स्थान पर है। अधिकांश विदेशी पर्यटक मार्च के महीने के दौरान राज्य में आते हैं। जून के महीने में राज्य में विदेशी पर्यटकों की संख्या सबसे कम है। देशी पर्यटकों के मामले में राजस्थान भारत में 7 वें स्थान पर है। राजस्थान में देशी पर्यटकों के दृष्टिकोण से, पहला स्थान अजमेर का है और दूसरा स्थान पुष्कर का है। सितंबर महीने के दौरान अधिकांश देशी पर्यटक राज्य में आते हैं। राज्य में जून के महीने में सबसे कम देशी पर्यटक आते हैं। इस शोध पत्र में राजस्थान के प्रमुख पर्यटन स्थलों के भौगोलिक अध्ययन के साथ-साथ पर्यटन विकास के सरकारी प्रयासों का भी अध्ययन किया गया है।*

शब्द कुंजीः - *राजस्थान के प्रमुख पर्यटन स्थल, राजस्थान के प्रमुख पर्यटन स्थल, राजस्थान में पर्यटन, राजस्थान पर्यटन विकास निगम, पर्यटन नीति, यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल, पर्यटन त्रिभुज, पर्यटन सर्किट, मारू त्रिकोण, पर्यटन विकास कार्य।*

----------X----------

परिचय:-

राजस्थान भारत का एक राज्य है जो पर्यटन के लिए सबसे अच्छा राज्य माना जाता है। राजस्थान राज्य में हर जिले में कई दर्शनीय स्थान देखने को मिलते हैं, विशेषकर एक ऐसा किला है जो लगभग हर जिले में है। इनके अलावा, राजस्थान में कई पौराणिक मंदिर भी हैं। प्राकृतिक सुंदरता और महान इतिहास के साथ राजस्थान में पर्यटन उद्योग फल-फूल रहा है। राजस्थान घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों पर्यटकों के लिए एक उपयुक्त पर्यटन स्थल है। भारत आने वाले हर तीसरे विदेशी पर्यटक का राजस्थान आना निश्चित है क्योंकि यह भारत आने वाले पर्यटकों के लिए "गोल्डन ट्रायंगल" का हिस्सा है। जयपुर के महल, उदयपुर की झीलें और जोधपुर, बीकानेर और जैसलमेर के भव्य किले भारतीय और विदेशी पर्यटकों के लिए सबसे पसंदीदा स्थलों में से हैं। इन प्रसिद्ध स्थलों को देखने के लिए हजारों पर्यटक यहां आते हैं। जयपुर के हवामहल, जोधपुर, बीकानेर के धोरे और जैसलमेर के धोरे काफी प्रसिद्ध हैं। जोधपुर का मेहरानगढ़ किला, सवाई माधोपुर का रणथंभौर किला और चित्तौड़गढ़ किला काफी प्रसिद्ध हैं। राजस्थान में कई पुरानी हवेलियाँ भी हैं जो आज के समय में हेरिटेज होटल बन गई हैं। पर्यटन ने यहां के आतिथ्य क्षेत्र में रोजगार को भी बढ़ावा दिया है। यहाँ की मुख्य मिठाई "घेवर" है। मोहम्मद यूनुस समिति की सिफारिश पर राजस्थान 4 मार्च 1989 को पर्यटन उद्योग का दर्जा प्राप्त करने वाला भारत का पहला राज्य था।

राजस्थान की भौगौलिक स्थिति:-

अध्ययन क्षेत्र राजस्थान की स्थिति 23'3' उतरी अक्षांश से 30'12' उतरी अक्षांश (अक्षांशीय विस्तार 7'9') तथा 69 '30' पूर्वी देशान्तर से 78'17' पूर्वी देशान्तर (विस्तार 8'47) के मध्य स्थित राजस्थान का अधिकांश भाग कर्क रेखा (231/2' कर्क रेखा अर्थात 23 0 30' उतरी अक्षांश रेखा के उतर में स्थित है। कर्क रेखा राज्य में डूंगरपुर जिले की दक्षिणी सीमा से होती हुई बाँसवाड़ा जिले के लगभग मध्य से गुजरती हैं। बाँसवाड़ा शहर कर्क रेखा से राज्य का सर्वाधिक नजदीक स्थित शहर है।

www.ignited.in

जलवायु की दृष्टि से राज्य का अधिकांश भाग उपोष्ण या शीतोष्ण कटिबन्ध में स्थित है।

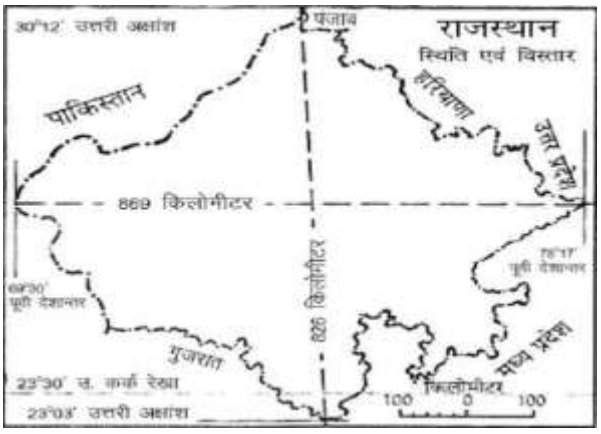

विस्तारः- उत्तर से दक्षिण तक लम्बाई 826 कि. मी. व विस्तार उत्तर में कोणा गाँव (गंगानगर) से दक्षिण में बोरकुण्ड गाँव (कुशलगढ़, बांसवाड़ा) तक है।

पूर्व से पश्चिम तक चैड़ाई 869 कि. मी. व विस्तार पूर्व में सिलाना गाँव (राजाखेड़ा, धौलपुर) से पश्चिम में कटरा (फतेहगढ़, सम, जैसलमेर) तक है।

उद्देश्य:-

प्रस्तुत शोध पत्र के उद्देश्य इस प्रकार हैं।

1. राजस्थान में पर्यटन के वर्तमान स्वरूप का अध्ययन किया गया है।
2. राजस्थान के पर्यटन विकास की विशेषताओं को स्पष्ट किया गया है।
3. राजस्थान में पर्यटन के महत्व को समझया गया है।

परिकल्पना:-

1. राजस्थान में पर्यटन क्षेत्र में आकर्षण निरन्तर बढ़ता जा रहा है।
2. राजस्थान सरकार द्वारा पर्यटन के विकास एवं संरक्षण हेतु प्रयास किए जा रहे हैं।

अध्ययन विधि:-

प्रस्तुत शोध पत्र में प्राथमिक एवं द्वितीयक आकड़ो का प्रयोग किया गया है। प्राथमिक आकड़ो का संग्रह व्यक्तिगत सम्पर्क, प्रश्नावली एवं अनुसूची के माध्यम से किया गया है। द्वितीय आकड़ो के संकलन डायरी, पत्र पत्रिकाओं, समाचार पत्र, पर्यटन विभाग राजस्थान एवं विभिन्न वेबसाइट एवं पुस्तकों के माध्यम से किया गया है। इस अध्ययन की प्रकृति विवरणात्मक है।

राजस्थान के प्रमुख पर्यटन स्थल:-

राजस्थान का शाब्दिक अर्थ है- "राजाओं की भूमी"। अपनी रंगीन संस्कृति को बिखेरते हुए इस राज्य ने सिर्फ राष्ट्रीय पर्यटकों को ही नहीं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों को भी आकर्षित किया है। जयपुर की शानदार हवेलियों से लेकर, उदयपुर की झीलों तक, मंदिरों से लेकर जैसलमेर व बिकानेर के बालू टिब्बों तक-सब कुछ देखने लायक है। सिर्फ देखने लायक नहीं, ज़िंदगी भर याद रखने लायक है। यहाँ के लोक गीत व लोकनृत्य भी अपनी स्थानीय संस्कृति को अस्तित्व में बनाए रखने के लिए पूरा सहयोग करते है। यहाँ का पारंपरिक भोजन आपके मुँह में पानी भर देगा और आप इसे खाए बिना रह नहीं पाऐंगे। राजस्थान के प्रमुख पर्यटन स्थल आपको दीवाना बना देंगे। सुंदर व आलीशान हवेलियों के आप मुरीद हो जाऐंगे।

राजस्थान के दर्शनीय स्थल:-

राजस्थान खूबसूरती से लबालब है। बस देर है तो, यहाँ आकर इसके हर एक हिस्से को भरपूर तरह से जीने की। प्राकृतिक सौंदर्य से लेकर अद्भुत कला प्रदर्शन तक आपको सब प्रशंसनीय स्थल देखने मिलेंगे। राजस्थान के चार प्रमुख पर्यटन स्थलों के नाम हैं- जयपुर, उदयपुर, जैसलमेर व माउंट आबू। राजस्थान में पर्यटन स्थल की सूची पर ज़रा गौर फरमाइए, फिर देखिए आप खुद को यहाँ आने से रोक नहीं पाऐंगे।

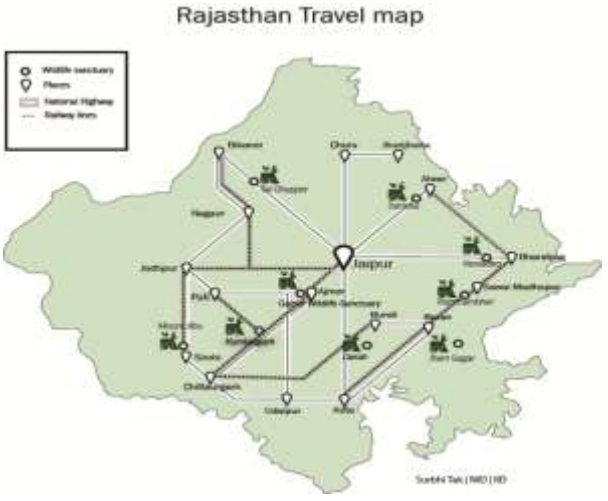

1. जयपुर:-

ये शहर प्राचीनता व आधुनिकता का अद्भुत मिश्रण है। पिंक सिटी (गुलाबी शहर) के नाम से ये विश्व भर में प्रसिद्ध है। राजस्थान का

www.ignited.in

राजधानी क्षेत्र जो, अपने सौंदर्य से आपको मंत्रमुग्ध कर देगा। जयपुर को गुलाबी रंग से रंगा गया है और यही इसकी खूबसूरती में इज़ाफा करता है। यहाँ के कुछ मुख्य पर्यटन स्थलों में- हवा महल, आमेर किला, जंतर-मंतर, नाहरगढ़ किला, सिटी पैलेस, चोखी धानी, अल्बर्ट हॉल म्यूज़ियम व बिरला मंदिर आदि शामिल है। यह शहर सुंदर किलों, मंदिरों व संग्रहालय आदि से अपनी शोभा बढ़ाता है। बापू बाज़ार यहाँ का सबसे प्रख्यात बाज़ार है जो, राजस्थान की पारंपरिक वस्तुओं के लिए जाना जाता है-रंग-बिरंगे जयपुरी दुपट्टे, राजस्थानी गहनें आदि।

2. उदयपुर:-

राजस्थान का वो शहर जिसे "झीलों का शहर" कहा जाता है। अरावली पहाड़ों से घिरा यह शहर प्राकृतिक सौंदर्य का प्रतीक है। हैरान कर देने वाली वास्तुकला आपको इस शहर आने के लिए बाध्य करेगी। पिचोला झील में नाव पर सवारी कर जैसे आप प्रकृति के आँचल में समा जाऐंगे। घाटी में बसा व चार झीलों से घिरे इस शहर को अगर "राजस्थान का कश्मीर" कहा जाए तो, इसमें कुछ गलत नहीं है। राजस्थान आकर्षक स्थल में इस शहर का नाम बड़े गर्व से लिया जाता है। यहाँ के मुख्य स्थल हैं- सज्जनगढ़ किला, फतह सागर झील, विंटेज कार म्यूज़ियम, इकलिंग्जी मंदिर, दूध तलाई म्यूज़िकल गार्डन, जैसामंद झील आदि।

3. जैसलमेर:-

राजस्थान की "गोल्डन सिटी", इसे ये नाम थार मरूस्थल में उड़ते सुनहरे पीले बालू टिब्बों के कारण दिया गया है। पाकिस्तान की सीमा के करीब बसा यह शहर राजस्थान का चर्चित पर्यटक स्थल है। यहाँ बहुत से ऐतिहासिक स्थल है जो सुनहरे पीले रंग के चूना-पत्थर से बने हैं। ऊँट की सवारी कर मरूस्थल से होकर गुज़रना व रात के वक्त आसमान के नीचे कैंप में रात गुज़ारना एक विस्मरणीय अनुभव है। जैसलमेर का किला यहाँ का सबसे महत्वपूर्ण आकर्षण है। जैन मंदिर, राष्ट्रीय उद्यान, गदीसर झील, बड़ा बाग आदि अन्य स्थल हैं।

4. माउंट आबू:-

यह राजस्थान का एकमात्र पहाड़ी इलाका है। हरे-भरे व ठंडे वातावरण से ये पर्यटकों को अपनी ओर खींचता है। राजस्थान के महत्वपूर्ण ऐतिहासिक पर्यटन स्थल में यहाँ दिलवारा मंदिर शामिल है। यह ऐतिहासिकता व अतुलनीय वास्तुकला का प्रतीक है, जो पूरे भारत में बेहद मशहूर है। अगर आप इतिहास के शौकिया नहीं हैं तो, आप नक्की झील में बोटिंग व सनसैट पॉईंट से सूर्यास्त देखकर नज़ारों का लुत्फ़ उठा सकते हैं। यह आपके और आपके साथी के लिए रूमानी गंतव्य(रोमैंटिक डैस्टिनेशन) भी बन सकता है।

5. जोधपुर:-

इस शहर को "गेटवे टू थार" के नाम से भी जाना जाता है। यहाँ का सबसे मशहूर स्थल है मेहरनगढ़ किला जो इतिहास व संस्कृति का संगम है। राजस्थानी वास्तुकला का उपयोग कर इतनी महीनता इसे हर एक कोने को तराशा गया है कि, आप देखते ही हैरान हो जाऐंगे। इस किले के अंदर ही दो मंदिर व एक संग्राहलय भी है। किले के प्रवेश द्वार पर आपको राजस्थानी लोकगीत की झलक भी दिखेगी, जो आपको भा जाएगी। यह राजस्थान के सबसे बड़े किलों में से एक है। नीले आसमान के नज़ारे से, नीली दीवारों व नीले घरों के कारण इस शहर को "ब्लू सिटी" भी कहा जाता है।

www.ignited.in

6. अजमेर:-

अरावली पहाड़ियों से घिरा यह शहर मुईनुद्दीन चिशती की, दरगाह शरीफ के लिए मशहूर है। राजस्थान आकर अगर, आप मुगल वास्तुकला के गवाह बनना चाहते हैं तो, अजमेर बेहद शांतिपूर्ण व आध्यात्मिक शहर है। राजस्थान के हृदय में.बसा अजमेर हिंदू व मुस्लिम श्रद्धालुओं का स्थान है। यहाँ प्रत्येक वर्ष भारी भीड़ उमड़ती है। इस शहर की एक और खासियत है, और वो है यहाँ की संस्कृति व शिल्प कौशल। यह एक धार्मिक स्थान है जहाँ आकर आपके मन को शांति मिल सकती है।

7. रणथंभोर:-

भारत के श्रेष्ठ टाईगर रिज़र्व में शामिल ये स्थान बहुत से पशु-पक्षी व पेड़-पौधों के लिए भी मशहूर है। विंध्य व अरावली की तलहटी में बसा यह स्थान राष्ट्रीय उद्यान, रणथंभोर किले के लिए भी प्रचलित है। छुट्टियाँ मनाने के लिए एक बेहतरीन स्थान जो आपकी सूची में शामिल होना चाहिए। राजस्थान के प्रमुख पर्यटन स्थल में शामिल ये जगह वन्यजीवों की तस्वीरें खींचने के शौकीन यात्रियों का केंद्र है। 392 किमी के क्षेत्र में फैला राष्ट्रीय उद्यान अद्भुत पक्षियों व जानवरों को उनके प्राकृतिक निवास में रहते देखने का सबसे अच्छा स्थान है।

8. बीकानेर:-

बीकानेर, संस्कृति व पर्यटकों का स्वर्ग माना जाता है। ऊँटों की सवारी कर बालू टिब्बों से गुज़रना आपको एक अनोखा अनुभव देगा। यहाँ के प्राचीन महल व किले आपको स्तब्ध कर देंगे। इस शहर को "ऊँटों का देश" कहा जाता है। बीकानेर अपनी अद्भुत वास्तुकला, संस्कृति व कला के लिए प्रसिद्ध है। बीकानेर, अंतर्राष्ट्रीय ऊँटों के त्योहार के लिए भी मशहूर है, जिसे विश्वभर से लोग देखने आते हैं।

9. पुष्कर:-

यह सबसे प्राचीन शहरों में से एक है, जो पाँच पवित्र धामों में से एक है। यही एकलौता शहर है जहाँ ब्रह्मा को समर्पित एक मंदिर है और इसी के लिए यह प्रसिद्ध है। नवंबर में यहाँ भारत का सबसे बड़ा ऊँटों के मेले का आयोजन होता है। छोटी-छोटी रंग-बिरंगी दुकानों पर सस्ते दामों पर शिल्प कौशल से बनी वस्तुऐं मिलती हैं। यहाँ की संस्कृति पर्यटकों को आकर्षित करती है। राजस्थान के प्रमुख पर्यटन स्थल में इस शहर का नाम भी बड़ी प्रसन्नता से लिया जाता है। क्योंकि इस शहर में वो खासियत है, जो यात्रियों का ध्यान अपनी तरफ केंद्रित कर सके।

10. भरतपुर:-

इस शहर को "पक्षियों के स्वर्ग" के नाम से जाना जाता है। यह संस्कृति से भरपूर शहर है, जो इसके सादगीपन में इज़ाफा करता

है, ये केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान के लिए मशहूर है। यहाँ पशु-पक्षियों की 370 प्रजातियाँ हैं पर, यह बर्ड सेंक्चुरी के नाम से ज़्यादा प्रचलित है। आपको यहाँ ढेर सरे अनोखे पक्षी देखने को मिलेंगे। यहाँ पक्षियों की 230 प्रजातियाँ हैं, 200 प्रकार के अन्य जानवर जैसे-मछली, कछुए, साँप, छिपकलियाँ, आदि व 350 प्रकार के फूलों के पौधों का स्थान है। एक ऐसी जगह जहाँ आपको हर तरह के रंग में रंगने का मौका मिलेगा। राजस्थानी संस्कृति अपनत्व का पर्याय है। इसमें हर रंग घुला हुआ है, आप एक-एक रंग में घुलकर अपने विभिन्न पहलू को निखार पाऐंगे। राजस्थान के प्रमुख पर्यटन स्थल, एक ऐसी जगह है जहाँ आकर ज़िंदगी को भरपूर तरह से जिया जा सकता है। अपनी राजस्थान यात्रा के लिए ट्रैवल ट्राऐंगल से बुकिंग कीजिए।

वैश्विक पर्यटन:-

विश्व पर्यटन दिवस 27 सितम्बर को मनाया जाता है। भारतीय पर्यटन दिवस 25 जनवरी को मनाया जाता है। U.N.O. ने 2003 को अन्तर्राष्ट्रीय ईको ट्यूरिज्म वर्ष के रूप में घोषित किया। भारत का पर्यटन वाक्य है 'अतिथि देवों भव' एवं राजस्थान का पर्यटन वाक्य 'अतुलनीय राजस्थान' था। भारत में सर्वाधिक पर्यटक फ्रांस से आते है। फ्रांस के पश्चात इग्लैण्ड, अमेरिका, जर्मनी, इटली का स्थान है।

राजस्थान में पर्यटन:-

भारत मे आने वाला हर तीसरा पर्यटक राजस्थान मे अवश्य आता है। पर्यटन विदेशी मुद्रा अर्जित करने वाला राज्य का दूसरा सबसे बड़ा उद्योग है। विदेशी पर्यटकों की दृष्टि से राजस्थान का भारत में 5 वां स्थान है। राजस्थान मे विदेशी पर्यटकों की दृष्टि से प्रथम स्थान जयपुर का तथा दूसरा स्थान उदयपुर का है। राज्य में सर्वाधिक विदेशी पर्यटक मार्च के महीने में आते है। राज्य में सबसे कम विदेशी पर्यटक जून के महीने में आते है। स्वदेशी पर्यटको की दृष्टि से राजस्थान का भारत में 7 वां स्थान है। राजस्थान मे स्वदेशी पर्यटको की दृष्टि से प्रथम स्थान अजमेर का तथा दूसरा स्थान पुष्कर का है। राज्य में सर्वाधिक स्वदेशी पर्यटक सितम्बर के महीने में आते है। राज्य में सबसे कम स्वदेशी पर्यटक जून के महीने में आते है। राजस्थान में पर्यटन निदेशालय की स्थापना 1955 मे की गई। राज्य पर्यटन निदेशालय का मुख्यालय जयपुर में स्थित है।

राजस्थान पर्यटन विकास निगम (RTDC)

राजस्थान पर्यटन विकास निगम (R.T.D.C.) की स्थापना 1 अप्रैल, 1979 में की गई। राजस्थान पर्यटन विकास निगम का मुख्यालय जयपुर में स्थित हैं। राज्य में पर्यटन के विकास के लिए उत्तरदायी संस्था (R.T.D.C.) है। पर्यटन को उद्योग का दर्जा देने वाला राजस्थान भारत का प्रथम राज्य है। राजस्थान ने पर्यटन को उद्योग का दर्जा 1989 में मोहम्मद युनुस समिति की सिफारिश पर दिया। पर्यटन को निर्धूम (धुंआ रहित) उद्योग के उपनाम से भी जाना जाता है। पर्यटकों की आवासीय समस्या पर्यटकों की आवासीय समस्या के समाधान के लिए 27 सितम्बर 1991 पेईंग गेस्ट योजना की शुरूआत (12 जिलों) की गई। वत्र्तमान मे पेइंग गेस्ट योजना 33 जिलों मे चलाई जा रही है। पर्यटकों की सुरक्षा के लिए पर्यटन पुलिस की तैनाती करने वाला राजस्थान भारत का प्रथम राज्य है। राजस्थान मे पर्यटन पुलिस की तैनाती 1 अगस्त 2000 मे की गई। राज्य में पर्यटन पुलिस की तैनाती सर्वप्रथम जयपुर के जन्तर-मन्तर व आमेर मे की गई। राजस्थान ने अपनी पर्यटन नीति की घोषणा 27 सितम्बर, 2001 में की। भारत नें अपनी पर्यटन नीति की घोषणा 23 अक्टूबर 2002 में की। पर्यटन को जन उद्योग का दर्जा 2004-05 में दिया गया। राजस्थान पर्यटन विभाग R.T.D.C. द्वारा पर्यटकों की सुविधा हेतु अप्रेल, 2002 में पर्यटन हेल्पलाइन सेवा की शुरूआत की गई। पर्यटन के क्षेत्र मे दिया जाने चाला सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार 'पाटा' पुरस्कार है। पाटा पुरस्कार की शुरूआत 1985 में की गई। 2010 का पाटा पुरस्कार राजस्थान को दिया गया। 2014 का पाटा पुरस्कार केरल को दिया गया यह 29 वां पुरस्कार था।

राजस्थान पर्यटन विकास निगम की स्थापना 1978 में हुई। इसका मुख्यालय जयपुर में है। इसके कार्य निम्न प्रकार हैं।

- राजस्थान में पर्यटन विकास हेतु कार्यक्रम, नीतियां और योजनाएं तैयार करना।
- पर्यटन स्थल का रखरखाव करना।
- पर्यटकों को आकर्षित करने हेतु मेले व महोत्सव को आयोजित करना।
- पर्यटकों की सुविधा हेतु होटल, पर्यटन पुलिस एवम् गाईडों की व्यवस्था करना।

लोकप्रिय पर्यटन स्थल

- पुष्कर झील
- अजमेर की ख़्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह।

www.ignited.in

- जोधपुर - घंटाघर, जोधपुर, मेहरानगढ़ दुर्ग के लिए तथा धोरों के लिए काफी प्रसिद्ध है।
- बाड़मेर और बीकानेर जो अपनी हवेलियों के लिए प्रसिद्ध है।
- जैसलमेर - अपने हवेलियों तथा रेगिस्तानी धोरों तथा सुनहरे पत्थरों के लिए जाना जाता है इस कारण सैकड़ों पर्यटक आते जाते रहते है।

राजस्थान में पर्यटन विकास

राजस्थान में अधिकांश पर्यटक (घरेलू और विदेशी दोनों) - 1. पुष्कर - अजमेर 2. माउंट आबू - सिरोही। राजस्थान में विदेशी पर्यटकों की सबसे अधिक संख्या है - जयपुर शहर। राजस्थान में अधिकांश विदेशी पर्यटक - 1. फ्रांस 2. ब्रिटेन से आते हैं। पर्यटन के संदर्भ में, राजस्थान को 9 सर्किट 1 सर्किट में विभाजित किया गया है।

पर्यटन नीति

जून 2011 में सरकार ने पर्यटन को बढ़ावा देने और युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए पधारो योजना शुरू की। राजस्थान में 2015 में अपनी नई पर्यटन नीति की घोषणा की गई थी।

पर्यटकों के लिए शाही ट्रेन

1982-83 में पर्यटन के क्षेत्र में पहली शाही ट्रेन (पैलेस व्हील्स) शुरू की गई। 3 सितंबर 1995 से, शाही ट्रेन को फिर से शुरू किया गया और इसका नाम बदलकर 'न्यू पैलेस ऑन व्हील्स' रखा गया। शाही ट्रेन को 'द ओरिएंटल एक्सप्रेस' के रूप में भी जाना जाता है। यह ट्रेन चित्तौड़, जैसलमेर, जोधपुर, जयपुर होते हुए दिल्ली जाती है। 2003 में, पर्यटन के क्षेत्र में 'फेयरी क्वीन' नामक एक ट्रेन शुरू की गई थी। परी रानी शेखावाटी क्षेत्र में काम करती है। 2004 में पर्यटन के क्षेत्र में 'विलेज ऑन व्हील्स' नाम की ट्रेन शुरू की गई। "हेरिटेज ऑन व्हील्स" नामक एक ट्रेन 2006 में पर्यटन क्षेत्र में शुरू की गई थी। यह ट्रेन जयपुर, सीकर, झुंझुनू, चूरू से बीकानेर तक जाती है। "रॉयल राजस्थान ऑन व्हील्स" नामक एक ट्रेन 11 सितंबर 2009 को पर्यटन क्षेत्र में शुरू की गई थी। राजस्थान की नवीनतम पर्यटक ट्रेन 'द ग्रेट अरावली सफारी ट्रेन' को चलाने का प्रस्ताव है। यह ट्रेन अजमेर, राजसमंद और उदयपुर के बीच कमली घाट मैदान में चलाई जाएगी।

पर्यटकों के लिए बस

2003 में पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए डबल डेकर बस 'जयपुर प्राइड 24' जयपुर में शुरू की गई थी। यह बस सियाराम सिटी एसोसिएशन द्वारा संचालित की जा रही है। बीकानेर के लदैरा गाँव में धौरा एक्सप्रेस नामक एक बस चलाई जा रही है। पैलेस ऑन एयर के माध्यम से पर्यटकों को ऐतिहासिक स्थलों पर जाने के लिए बनाया जाएगा। लहरों पर पैलेस के माध्यम से हुगली, चंबल, यमुना नदियों पर कोलकाता से धौलपुर तक नाव और बेड़े परिभ्रमण शुरू करने का प्रस्ताव है।

यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल

राजस्थान में तीन यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल हैं - केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान, जंतर मंतर (जयपुर), राजस्थान के पहाड़ी किले (चित्तौड़गढ़, कुंभलगढ़, रणथंभौर, अम्बर, जैसलमेर)।

कुम्भलगढ़ किले को 2013 में यूनेस्को की विश्व विरासत स्थल घोषित किया गया था, इस किले की दीवार 38 किमी लंबी है। इसे चीन की महान दीवार के बाद दुनिया की दूसरी सबसे लंबी दीवार माना जाता है।

पर्यटन त्रिकोण

- स्वर्णिम त्रिकोण - दिल्ली - आगरा - जयपुर
- मरू त्रिकोण - जैसलमेर - बीकानेर - जोधपुर

पर्यटन सर्किट

राजस्थान में पर्यटन की अपार संभावनाएं है. यहाँ के पर्यटन स्थलों को 9 सर्किटों में विभाजित किया गया हैं. कुछ मैदानी है तो कोई मरुस्थलीय किसी में ऐतिहासिक भवन एवं किले शोभा बढ़ाते है तो कही अभ्यारण्य हैं। ये 9 पर्यटन सर्किट निम्न प्रकार हैं।

- मरू सर्किट - जैसलमेर - बीकानेर - जोधपुर - बाड़मेर
- शेखावाटी सर्किट - सीकर - झुंझुनू
- ढुढाड सर्किट - जयपुर - दौसा - आमेर
- ब्रज मेवात सर्किट - अलवर - भरतपुर - सवाईमाधोपुर - टोंक
- हाड़ौती सर्किट - कोटा - बुंदी - बारा - झालावाड़

- मेरवाड़ा सर्किट - अजमेर - पुष्कर - मेड़ता - नागौर
- मेवाड़ सर्किट - राजसमंद, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा
- वागड़ सर्किट - बांसवाड़ा - डुंगरपुर
- गौड़वाड़ सर्किट - पाली - सिरोही - जालौर

राजस्थान में तीन पर्यटन सर्किट प्रस्तावित हैं।

- हाडोती सर्किट
- तीर्थ सर्किट
- राष्टीय राजधानी क्षेत्र सर्किट

मरू त्रिकोण

मरू त्रिकोण में बाडमेर को भी शामिल किया गया है। मरू त्रिकोण को जापान की J.B.I.C. संस्था के सहयोग से विकसित किया जा रहा है।

- **शेखावाटी त्रिकोण:-** शेखावाटी त्रिकोण में पर्यटन के क्षेत्र में चलाई जा रहीं ट्रेन फेयरी क्वीन है।
- **स्वर्णिम त्रिकोण:-** दिल्ली स्वर्णिम त्रिकोण जयपुर आगरा
- स्वर्णिम त्रिकोण, गुड़गांव, अलवर भरतपुर को राष्ट्रीय राजधानी के क्षेत्र में शामिल किया गया है।
- **रजत त्रिकोण:-** मुम्बई रजत त्रिकोण बैगलुरू हैदराबाद
- **सौर ऊर्जा त्रिकोण:-** जैसलमेर सोर ऊर्जा त्रिकोण है" बाडमेर जोधपुर हैं

राजस्थान में रोपवे:-

- राज्य का प्रथम रोपवे भीनमाल (जालोर) में सुण्डा माता पर्वत पर 20 दिसम्बर 2006 से संचालित है ।
- राजस्थान का दूसरा रोपवे उदयपुर में करणी माता मंदिर पर 8 जून 2008 से संचालित है।
- राज्य का तीसरा रोपवे सावित्री माता मंदिर (अजमेर) में संचालित है।
- राज्य में जयपुर के कनक वृंदावन, माउण्ट आबू सिरोही में रोपवे प्रस्तावित है।

पर्यटन विकास कार्य:-

- राज्य का पहला राजीव गांधी कन्वेशन सैंटर जोधपुर में बनाया जाएगा।
- भारत का यह तीसरा टूरिज्म कन्वेशन सेंटर होगा।
- राज्य का पहला मीरा संग्रहालय उदयपुर में स्थापित किया गया है।
- राज्य के पहले व भारत के चैथे हेर्मिग बिज (झूलता पुल) का निर्माण चम्बल नदी पर किया गया है ।
- रणथम्भौर में सफारी पार्क बनाया जाएगा।
- देश का यह तीसरा सफारी पार्क है। जिसमें वन्य जीवों को विचरण करते हुए देखा जा सकेगा।
- पहला कर्नाटक के बनारघाटा नेशनल पार्क में तथा दूसरा भोपाल में स्थित है।
- उदयपुर को भारत का सर्वश्रेष्ट अवकाश स्थान के रुप में चुना गया है
- 2010 को जयपुर के जंतर-मंतर को यूनेस्को की वल्ड हैरीटेज की कल्चरल सूची में शामिल किया गया है।
- यह राज्य की पहली व देश की 23वीं धरोहर है।
- भरतपुर के घना पक्षी विहार को 1985 में यूनेस्को की नेचूरल हैरिटेज सूची में शामिल किया गया था।
- राजस्थान का प्रथम हाथी गांव जयपुर में आमेर के कुण्डा ग्राम में स्थापित किया गया है।
- हाथी गाँव N.H. 8 पर स्थित है। हाथी गांव के पास ही कालबेलिया' स्कूल आँफ डाँस स्थापित किया जा रहा है।
- हाथी गॉव एशिया का तीसरा गांव है। इस तरह के अन्य दो गॉव श्रीलंका; थाईलैण्ड में है।
- राजस्थान में चार पर्यटन संभाग जोधपुर, अजमेर, उदयपुर, कोटा स्थिति हैं।

www.ignited.in

- सांभर झील को पर्यटन के क्षेत्र में 'रामसर साईट' के नाम से जाना जाता है।
- दूसरा रामसर साईट केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान भरतपुर है।
- राजस्थान के दर्शनीय स्थलों के महत्व का कर्नल जेम्स टॉड ने अपनी पुस्तक 'ट्रेवल इन वेस्टर्न इंडिया' में वर्णन किया है।
- विदेशी पर्यटकों की भारतीय चिकित्सा पद्धति में बढ़ रही रूची के लिए उदयपुर के केलाशपुरी व हवाला गॉव तथा जोधपुर में आयुर्वेदिक गाँव स्थापित किए गए हैं।
- आयुर्वेदिक विश्वविद्यालय की स्थापना जोधपुर मे की गई है।
- राजस्थान में आध्यात्मिक पर्यटन को बढावा देने से सम्बीधत योजना अपना धाम, अपना काम, अपना नाम'।
- जयपुर में पर्यटकों को असामाजिक तत्वों से बचाने हेतु चलाया गया अभियान आप्रेशन स्वागत्म।
- राजस्थान का प्रथम हेरीटेज होटल अजीत भवन, जोधपुर है।

निष्कर्ष:-

उपरोक्त अध्ययन से स्पष्ट है कि राजस्थान राज्य पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थान रखता है। भारत में आने वाला प्रत्येक तीसरा पर्यटक राजस्थान मे अवश्य आता है। पर्यटन विदेशी मुद्रा अर्जित करने वाला राज्य का दूसरा सबसे बड़ा उद्योग है। विदेशी पर्यटकों की दृष्टि से राजस्थान का भारत में 5 वां स्थान है। राजस्थान में पर्यटन की अपार संभावनाएं है. यहाँ के पर्यटन स्थलों को 9 सर्किटों में विभाजित किया गया हैं। कुछ मैदानी है तो कोई मरुस्थलीय किसी में ऐतिहासिक भवन एवं किले शोभा बढ़ाते है तो कही अभ्यारण्य हैं। राजस्थान सरकार इस दिशा में महत्वपूर्ण कार्य कर रही है जिससे राजस्थान राज्य में पर्यटन उद्योग को बढ़ावा मिल रहा है।

सन्दर्भ सूची:-

1. राजस्थान का भूगोल, प्रोफेसर एच एस शर्मा, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
2. राजस्थान की अर्थव्यवस्था, प्रोफेसर लक्ष्मी नारायण नाथूराम, कॉलेज बुक हॉउस, जयपुर
3. राजस्थान का भूगोल, डॉ. हरिमोहन सक्सेना, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर
4. राजस्थान सुजस, त्रिमासिक पत्रिका, राजस्थान सरकार, जयपुर
5. राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास व विनियोग निगम लिमिटेड (त्प्प्ब्व्)
6. सूचना एवं जन संचार प्रौद्योगिकी विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर
7. राजस्थान पर्यटन विकास निगम, जयपुर, राजस्थान

Corresponding Author

Dr. Jagphool Meena*

Lecturer, Department of Geography, Government Post-Graduation College, Rajgarh, Alwar, Rajasthan